

विभागीय छठवीं अखिल भारतीय
हिंदी संगोष्ठी-तिरुवनंतपुरम .

दि.01 से 02 जुन -2017

विषय :- भारत में गर्ज भरे तूफान

अ. वि गोडे
मौ. वि -बी
प्रादेशिक मौसम केंद्र.
नागपुर

कुद्रती आपदाओं द्वारा देश में होनेवाली मृत्यु जानकारी.

- एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में कुद्रती आपदाओं से मरनेवाले की संख्या लग-भग निम्न प्रकारसे है. (2000 से 2500 और अधिकतम (2013 -2700)
 - 1) बिजली गिरने से (10 %)
 - 2) उष्माघात (हिट स्ट्रोक)
 - 3) चक्रवात (2004-500, 2013-100)
 - 4) बाढ
 - 5) भूकंप

चक्रवात का प्रकोप

- बंगाल उपसागर और अरब सागर में उठनेवाले चक्रवात के कारण देश में लाखों लोग मरते थे. लेकिन आज मौसम कि सटीक भविष्यवानियों के कारण इसमें काफी कमी आई है. जिसके लिए मौसम विभाग कि सेवायें सरानिय है.
- सन 2004 -500 और 2013 में 100.
- लेकिन बिजलि गिरनेसे अभी भी सबसे ज्यादा लोग मरते है.

भारत में गर्ज भरे तूफान के भिन्न भिन्न नाम

- देश में गर्ज भरे तूफान की आवृत्ति सबसे ज्यादा माह मार्च से सितंबर में होती है.
- लेकिन के तीव्रता को देखते हुये इन्हे देश के अलग अलग भाग में भिन्न भिन्न नाम से जाना जाता है.
- उत्तर -पूर्व - कालबाइस्की (Norwester)
- पश्चिम - उत्तर - आंधी (Dust storm)
- देश में अन्य जगह गर्ज भरे तूफान

गर्ज भरे तूफान एक शाप या वरदान

- अगर गर्ज भरे तूफान नहीं आते तो क्या होता ?
- गर्ज भरे तूफान क्यों आते ?
- गर्ज भरे तूफान कैसे बनते ?
- गर्ज भरे तूफान कि निगरानी कैसे कर सकते है ?
- क्या गर्ज भरे तूफान का पूर्वानुमान संभव है?
- क्या गर्ज भरे तूफान कि चेतावनी दी जा सकती ?
- क्या गर्ज भरे तूफान का आधुनिक प्रौद्योगिकीका उपयोग करके पूर्वानुमान किया जा सकता. ?

पृथ्वीकी सतह , वातावरण एक संस्था.

- पृथ्वीकी सतह , आयनन मंडल और अन्य वायु मिलके एक संधारित्र. अगर समझे. जिसमें वायु अंतरकाशि और पृथ्वीकी सतह और आयनन मंडल संधारित्र के दो प्लेट्स हैं.. (capacitor)
- सामान्य सुहावने मौसम में पृथ्वी का वातावरण पृथ्वी के सतह के अपेक्षा हमेशा धनात्मक होता है.. इसके विपरित बिगड़े मौसम . (conduction current)
- अगर धनात्मक आयन पृथ्वी के और लगातार आते रहेगें .मात्र 30 मिनीट चालनधारा (conduction current) शून हो जायेगा.

- चालनधारा शून्य नहीं होनी चाहिए इस लिए आपूर्तिधारा (supply current) और वर्षाधारा से संतुलित किया जाता. (precipitation current)
- पृथ्वी पर मध्यम स्वरूप के गर्ज भरे तुफान से लगभग 1800 अमपीयरकी विद्युत धारा के लिए लग-भग 3000 से 6000 थंडर सेल साल भरेमें संतुलन के आवश्यक है जो जलवायु आंकडोसे मेल खाते है.

गर्ज भरे तूफान के गठन की कार्यविधि.

- कपासिवर्षि मेघ. आधार (Base) ऋनात्मक (आयन) और शिरा (Top) धनात्मक (आयन). और पृथ्वी का कोई हिस्सा -सतह से उंचा जो भी हो या उद्वृद्धि (outgrowth) जैसे उंची ईमारते, छोटे छोटे हिल्स टेकडियां. एक प्वाइंट कंडक्टर - धनात्माक आवेश .
- कपासिवर्षि मेघ. (द्विध्रुवी जनित्र) और प्वाइंट कंडक्टर से आपूर्ति धारा. बहिती है.

गर्ज भरे तूफान के गठन के लिए आवश्यक मौसमी प्राचलों

- तेज धूप (surface heating)
- अस्थिर वातावरण (instability in the atmosphere)
- विपुल मात्रा में आद्रता (moisture incursion)
- संवहनी उपलब्ध संभावित उर्जा (CAPE)
- प्रति चक्रवात 0.9 कि. मी. (anticyclone)

नाउकास्ट एप

- दूरभाष उपकरण (मोबाईल)
- लघु- संदेश (sms)
- वेबसाईट (web-site)
- रेडार और उपग्रह प्रणालि
- प्रभावित क्षेत्र जैसे मध्य पूर्वोत्तर और पश्चिमोत्तर भाग को रेडार रेंज ,घना जाल बिछाकर तात्कालिक पूर्वानुमान लघु- संदेश से सतर्क किया जा सकता अंतिम उपयोगकर्ता को.

अप्राकृतिक पाईंट कंडक्टर

- अप्राकृतिक पाईंट कंडक्टर का निर्माण (जाल)
- प्राप्त उर्जा का संरक्षण
- अप्राकृतिक पाईंट कंडक्टर घनी आबादी और कार्य स्थान से दुर .
- जनहानी कम करने मे मदत .
- विमानन सेवायें बाधित

दृढनिश्चय

- सर फरोशी कि तमन्ना अब मौसम विज्ञानी के दिल में है.
- देखना है किताना जोर मानव नरसंहारक के कुद्रती हतियार में है
- करके सटीक तात्कालिक पूर्वानुमान आंधी और तुफानोंका
- रोक लेंगे जनहानी पक्षु-पक्षिओं, जानवर और किसानोंकि
- देकर स्थान समय के साथ परिघटनाओंकि जानकारी मोबाईल एप में.

धन्यवाद